छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मितानिनों की भूमिका

डॉ. सुस्मिता सेन

सहायक प्राधायपक

राजनिति विज्ञान विभाग

दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मितानिनों द्वारा चलाये गये यह कार्यक्रम समाज व देश (विशेष संदर्भ महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य) में कारगर साबित हुआ आज से यह देखा गया था कि गांवों की महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य की स्थिति बहुत ही दयनीय होती थी किशोरियों को भी समाज और घर में रुढीवादी प्रवृत्ति के कारण बहुत से परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज मितानिनों के मेहनत ने रंग लायी और उसका प्रभाव सभी वर्गों के लोगों पर दिखायी दिया। महिला समितियों के निर्माण से भी महिलाओं की आर्थिक परेशानियां दूर हुई और उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिला। मितानिनों को बहुत से पेरशानियों का सामना करना पड़ा मगर समय के साथ–साथ सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम चलाया गया है। जिसमें विशेष कर मितानिनों की भूमिका सही साबित हुई ।

मितानिनों के समक्ष आने वाली समस्याओं को निम्न तरीकों से दूर किया जा सकता है :–

1. परिवारिक सहयोगात्मक प्रवृत्ति का योगदान

यदि परिवार के लोग अपने घरों की महिलाओं के साथ पूर्णतः सहयोगात्मक प्रवृत्ति अपनाती है। तो अनेक रूढ़ीवादी विश्वास कर सकेगी। अतः अब परिवार के लोगों को चाहिए की महिलाओं को चार दिवारी तक सीमित न करके इन्हें बाहरी दुनिया से सम्पर्क में अनेक अवसर प्रदान करें। महिलाओं के अंदर छिपी डर तथा संकोची प्रवृत्ति दूर हो सकें।

2. सामजिक सुधार

मितानिनों के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें सामाजिक स्थिति में सुधार करना अति आवश्यक है। क्योंकि महिलायें समाज रूपी गाड़ी की दुनिया का पहिया है। यदि दूसरी पहिया कमजोर होगी, तो इससे समाज रूपी गाड़ी को निरतंर विकास की गति के द्वारा चलना असंभव हो जाता।

अतः अब महिलाओं का प्रत्येक क्षेत्र में आगे आने के लिए इन्हें सामाजिक स्तर पर भी प्रोत्साहन देना चाहिए ।

3. पुरूषो के हीन भावना की प्रवृत्ति को दूर करना

जिस दिन पुरूष वर्ग की महिलाओं को अपनी अधीन व मानकर अपने सहकारी के रूप में मनाना स्वीकार कर लेगें और इसके साथ ही जब महिलाओं के प्रतिनिधित्व को स्वीकारने लगें तब सम्पूर्ण समस्याएं अपने आप ही दूर हो जाएगी। अतः तब तक पुरूष वर्ग की मानसिकता परिवर्तित नहीं होती तब तक यह समस्या यथावत् ही रहेगी। विकास नहीं हो पाएगा।

4. बालिका शिक्षा अभियान

बालिका शिक्षा अभियान के तहत सभी लड़कियों को शिक्षा का अधिकार दिलाया जायें। और शासन द्वारा संचालित लाभ को सभी बालिकाओं को दिलाया जाये। उनके परिवार में आ रही बाधाओं को दूर कर परिवार के साथ–साथ समाज को भी जागरूक किया जाये। जिससे शिक्षा आज के पीढ़ी के लिए ही नहीं बल्कि कल के लिए भी अच्छा साबित हों।

5. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति संचेत

मितानिनों के प्रयास से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के क्षेत्र में आज बहुत से कार्य किया जा रहा है। जिससे महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के पालन पोषण में आ रही पेशानियां दूर हो रही है। क्योंकि जहां साफ–सफाई पर ध्यान दिया जायेगा तभी स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में काफी सफलता प्राप्त हो पायेगी इसके लिए पहले महिलाओं को जागरूक होना पड़ेगा और उन्हें यह समझना पड़ेगा कि उनके इन कार्यों से पूरे परिवार की खुशहाली छुपी हुई है। और यह कार्य मितानिनों के प्रयास से ही संभव हो पाया है।

6. नवजात शिशुओं की आहार और पोषण संबंधी सुझाव

मितानिनों द्वारा तो नवजात शिशुओं की देख–भाल आहार संबंधी समस्याओं से शिशुओं के मां को इन सब बातों से पहले से अवगत कराया जाता है। ताकि बच्चों में कमजोरी और टीकाकरण संबंधी समस्याएं न हो और मितानिनों द्वारा बच्चों के देखरेख और उम्र के हिसाब से आहार के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है।

7. मितानिन कार्यक्रमों को बढ़ावा देना

मितानिन कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए परिवार वालों को और विशेष कर ग्राम पंचायत द्वारा सरपंच को सहयोग देना चाहिए। मितानिनों को इस कार्य के तहत बहुत से पेरशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन उनके हिम्मत और अगन से असंभव भी संभव हो गया है। आज मितानिनों को शासन द्वारा संचालित सभी लाभों का लाभ प्राप्त होना चाहिए जैसे– मितानिन कल्याण कोष, हेल्प डेस्क, फुलवारी, सम्मान समारोह आदि का लाभ प्राप्त होगा तभी मितानिन इन कार्यो को और अधिक बढ़ावा देगें।

8. किशोरियों के विकास के प्रति जागरूकता

मितानिनों को किशोरियों के प्रति स्वच्छ वातावरण और साथ ही परिवार, समाज और गांव का माहौल भी अच्छा होना चाहिए ताकि किशोरियों को किसी भी परेशानियों का सामना करना न पड़े। इन सब कार्यों को आज मितानिनों ने ही रूढ़ीवादी शिकार किशोरियों को मुक्त किया है। किशोरियों के स्वस्थ्य हेतु आज सबसे पहले उसके घर वालों को उसके साथ रहना चाहिए ।